क्या आप परमेश्वर के वचन के द्वारा नए जन्मे हैं?

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के महिमामय नाम की स्तुति हो, जो राजाओं के राजा और प्रभुओं के प्रभु हैं! आपका स्वागत है — आइए हम मिलकर परमेश्वर के जीवित वचन का अध्ययन करें।

क्या आपने कभी गहराई से सोचा है कि परमेश्वर के वचन के द्वारा नया जन्म लेना वास्तव में क्या होता है?

आज के समय में ऐसा “नया जन्म” भी देखने को मिलता है जो केवल भावनाओं या किसी व्यक्ति की बातों से प्रेरित होता है। परन्तु एक सच्चा आत्मिक नया जन्म होता है — जो केवल परमेश्वर के जीवित और सदा रहनेवाले वचन के द्वारा होता है।

यीशु ने नए जन्म के विषय में क्या सिखाया?

यूहन्ना 3:3 में यीशु ने निकुदेमुस से कहा:

“मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ, जब तक कोई फिर से जन्म न ले, वह परमेश्वर का राज्य नहीं देख सकता।”
(यूहन्ना 3:3, ERV-HI)

निकुदेमुस, जो एक यहूदी धर्मगुरु था, यह सुनकर आश्चर्यचकित होकर बोला:

“कोई मनुष्य जब बूढ़ा हो जाए, तो कैसे जन्म ले सकता है? क्या
वह अपनी माँ के गर्भ में दूसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है?”
(यूहन्ना 3:4, ERV-HI)

तब यीशु ने और स्पष्ट किया:

“मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ, जब तक कोई जल और आत्मा से जन्म न
ले, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।”
(यूहन्ना 3:5, ERV-HI)

जल और आत्मा से जन्म लेने का क्या अर्थ है?

यीशु के द्वारा बताए गए इस नए जन्म में दो महत्वपूर्ण पहलू होते हैं:

जल से जन्म लेना – इसका अर्थ है जल बपतिस्मा लेना, जो पश्चाताप और यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा पापों की क्षमा का प्रतीक है।
(देखें: प्रेरितों के काम 2:38; रोमियों 6:3–4)

आत्मा से जन्म लेना – इसका तात्पर्य है पवित्र आत्मा को ग्रहण करना, जो हमें नया जीवन देता है, हमारे भीतर रूपांतरण लाता है, और आत्मा का फल उत्पन्न करता है।
(देखें: तीतुस 3:5; गलातियों 5:22–23)

इसलिए, परमेश्वर के वचन के द्वारा नया जन्म लेना तब होता है जब कोई सुसमाचार पर विश्वास करता है, आज्ञाकारिता में जल बपतिस्मा लेता है और पवित्र आत्मा प्राप्त करता है। परमेश्वर का वचन ही वह माध्यम है जो हमें उद्धार और आत्मिक परिवर्तन का मार्ग दिखाता है।

यह नया जन्म क्यों इतना आवश्यक है?

जब कोई वास्तव में परमेश्वर के वचन के अनुसार नया जन्म पाता है, तो उसका उद्धार स्थिर और स्थायी हो जाता है। वह अनुभव फिर केवल बाहरी या अस्थायी नहीं रह जाता, क्योंकि यह उस वचन पर आधारित होता है जो कभी नष्ट नहीं होता:

“तुम्हारा नया जन्म किसी नाशवान बीज से नहीं हुआ है, बल्कि अविनाशी बीज से, जो परमेश्वर के जीवित और सदा रहने वाले वचन
से हुआ है।”
(1 पतरस 1:23, ERV-HI)

दुर्भाग्यवश आज बहुत से लोग उद्धार पाने का दावा तो करते हैं, पर कुछ ही समय बाद अपने पुराने जीवन में लौट जाते हैं। वे कलीसिया जाते हैं, विश्वासियों के बीच रहते हैं, फिर भी उनमें कोई सच्चा आत्मिक परिवर्तन नहीं दिखता। क्यों?

संभव है कि उन्होंने कभी वास्तव में परमेश्वर के वचन के द्वारा नया जन्म नहीं पाया हो। शायद उन्हें यह सिखाया गया कि बपतिस्मा आवश्यक नहीं है, या उन्होंने पवित्र आत्मा को कभी नहीं जाना। नतीजतन, उनके भीतर बोया गया बीज नाशमान था ऐसा बीज जो आसानी से उखड़ गया।

अपने आप को जाँचिए: क्या आप बाइबल के अनुसार नए जन्मे हैं?

प्रिय पाठक, यदि आपका मसीही जीवन अस्थिर लगता है, या आप निश्चित नहीं हैं कि मसीह वास्तव में आप में वास करता है, तो ईमानदारी से

अपने आप से ये प्रश्न पूछिए:

क्या आपने पूर्ण जल में डुबकी के द्वारा बपतिस्मा लिया है, जैसा कि बाइबल सिखाती है?
(यूहन्ना 3:23; प्रेरितों के काम 8:38)

क्या आपका बपतिस्मा यीशु मसीह के नाम में हुआ था, जैसा प्रेरितों ने सिखाया?
(प्रेरितों के काम 2:38)

क्या आपने पवित्र आत्मा को प्राप्त किया है – जिसका प्रमाण एक बदला हुआ जीवन और आत्मा का फल है?
(गलातियों 5:22–23; रोमियों 8:9)

यदि इनमें से कुछ भी आपके जीवन में नहीं हुआ है, तो शुभ समाचार यह है कि परमेश्वर आज भी आपको बुला रहा है। अभी भी देर नहीं हुई है आप आज भी उसके वचन की आज्ञा मानकर ऊपर से नया जन्म पा सकते हैं।

सच्चे बपतिस्मे की खोज करें

यदि आपके आस-पास कोई ऐसी कलीसिया या सेवकाई है जहाँ परमेश्वर के

वचन की सच्ची शिक्षा दी जाती है और बाइबल के अनुसार बपतिस्मा दिया जाता है, तो वहाँ अवश्य जाएँ। और यदि आप ऐसा स्थान नहीं ढूंढ़ पा रहे हैं, तो आप नीचे दिए गए नंबरों पर हमसे संपर्क कर सकते हैं। हम आपकी सहायता करेंगे ताकि आप अपने क्षेत्र में किसी ऐसे स्थान तक पहुँच सकें जहाँ आप बाइबल के अनुसार बपतिस्मा ले सकें और पवित्र आत्मा की पूरी भरपूरी प्राप्त कर सकें।

प्रभु यीशु मसीह आपको अपने जीवित और सदा बने रहने वाले वचन के द्वारा नया जन्म पाने की खोज में भरपूर आशीष दे।

Share on:
WhatsApp